

2/9/2

पत्रायणी फेरा दुर्गे सोय ६०००
 लकु बार- बार थापाग डिग
 गले खाडी असागत य- वणागत
 अरु पास्वत वे इला वही का
 काद अडा हापरी अडग पेरी
 के व्यापीत किम जाल वे कापणी
 फेसाग हागा हेकटे इपे वरुवर
 से जग वे वपा- दाअअअअअअ


